Computer Proficiency Certification Test

Notations :

1.Options shown in green color and with ✔ icon are correct.

2.Options shown in red color and with ✖ icon are incorrect.

Question Paper Name:	INSCRIPT 27th April 2019 Shift 1
Subject Name:	Inscript
Creation Date:	2019-04-27 15:56:37
Duration:	25
Share Answer Key With Delivery Engine:	Yes
Actual Answer Key:	Yes
Calculator:	None
Magnifying Glass Required?:	No
Ruler Required?:	No
Eraser Required?:	No
Scratch Pad Required?:	No
Rough Sketch/Notepad Required?:	No
Protractor Required?:	No
Show Watermark on Console?:	Yes
Highlighter:	No
Auto Save on Console?:	No

Mock

Group Number :	1
Group Id :	201298166
Group Maximum Duration :	10
Group Minimum Duration :	10
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	1
Mandatory Break time:	Yes
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	201298290
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1

Sub-Section Id: 201298290
Question Shuffling Allowed : No

Question Number : 1 Question Id : 2012982491 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes
एक बार की बात है, अकबर और बीरबल शिकार पर जा रहे थे। अभी कुछ समय हुआ था कि उन्हें एक हिरण दिखा। जल्दबाजी में तीर निकलते हुए अकबर अपने हाथ पर घाव लगा बैठा। अब हालात कुछ ऐसे थे कि अकबर बहुत दर्द में था और गुस्से में भी।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Inscript
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes

Actual

Group Number : 2
Group Id : 201298167
Group Maximum Duration : 15
Group Minimum Duration : 15
Revisit allowed for view? : No
Revisit allowed for edit? : No
Break time: 0
Group Marks: 0

Hindi Typing Test

Section Id : 201298291
Section Number : 1
Section type : Typing Test
Mandatory or Optional: Mandatory
Number of Questions: 1
Number of Questions to be attempted: 1
Section Marks: 0
Display Number Panel: Yes
Group All Questions: No

Sub-Section Number: 1
Sub-Section Id: 201298291
Question Shuffling Allowed : No

Question Number : 2 Question Id : 2012982492 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

बिहु नृत्य भारत के असम राज्य का लोक नृत्य है जो बिहु त्योहार से संबंधित है। यह खुशी का नृत्य युवा पुरूषों और महिलाओं दोनों द्वारा किया जाता है और इसकी विशेषता फुर्तीली नृत्य मुद्राएं तथा हाथों की तीव्र गति है। नर्तक पारंपरिक रंगीन असमीया परिधान पहनते हैं। हालांकि बिहु नृत्य का मूल अज्ञात है, लेकिन इसका पहला आधिकारिक सबूत तब मिलता है जब अहोम राजा रूद्र सिंह ने १६९४ के आसपास रोंगाली–बिहु के अवसर पर बिहु नर्तकों को रणघर क्षेत्रों में इसका प्रदर्शन करने के लिए आमंत्रित किया था। बिहु एक समुह नृत्य है जिसमें पुरूष और महिलाएं साथ–साथ नृत्य करते हैं किंतु अलग–अलग लिंग भूमिकाएं बनाए रखते हैं। आमतौर पर महिलाएं पंक्ति या वृत्त संरचना का सख्ती से पालन करती हैं। पुरूष नर्तक और संगीतकार नृत्य क्षेत्र में सबसे पहले प्रवेश करते हैं और वे अपनी पंक्ति को बनाए रखते हैं और समक्रमिक आकृतियां बनाते हैं। जब बाद में महिला नर्तकियां प्रवेश करती हैं तो पुरूष नर्तक महिला नर्तकियों जो अपनी संरचनाओं तथा नृत्य क्रम को बनाए रखती हैं, के साथ मिलने के लिए अपनी पंक्तियां भंग कर देते हैं। आमतौर पर नृत्य की विशेषता निश्चित मुद्राएं, लय में कूल्हें, बाजू, कलाइयों, घुटनों आदि का अंग–संचालन है लेकिन इसमें छलांगें नहीं हैं। बहुत मामूली लेकिन सूक्ष्म अंतर के साथ पुरूष और महिलाओं की नृत्य मुद्राएं एक समान हैं। यह नृत्य पारंपरिक बिहु संगीत के साथ पेश किया जाता है। सबसे महत्वपूर्ण संगीतकार ढोलकिये हैं, जो गर्दन से लटका ढोल एक लकडी तथा हथेली की सहायता से बजाते हैं। आमतौर पर एक से अधिक ढुलिया प्रदर्शन करते हैं और वे प्रदर्शन के अलग–अलग चरणों में अलग–अलग ताल बजाते हैं। ये तालबद्ध रचनाएं, जिन्हें सिउ कहा जाता है, पारंपरिक रूप से कूटबद्ध हैं। नृत्य क्षेत्र में प्रवेश करने से पहले, ढोलकिये एक छोटी तथा तेज गति वाली ताल बजाते हैं। सिउ में परिवर्तन होता है और आमतौर पर ढोलकिये पंक्ति बना कर नृत्य क्षेत्र में प्रवेश करते हैं। आम तौर पर शुरूआत में दर्दनाक मूल भाव देने के लिए एकल कलाकार द्वारा मोहोर जिंगोर पेपा बजाया जाता है तथा इससे नृत्य के लिए माहौल तैयार होता है। इसके बाद पुरूष नर्तक एक संरचना बना कर नृत्य क्षेत्र में प्रवेश करते हैं तथा गायन, जिसमे सभी भाग लेते हैं, के साथ प्रदर्शन करते हैं। इस नृत्य में प्रयुक्त होने वाले कुछ अन्य वाद्ययंत्र हैं ताला –एक मंजीरा, गोगोना –एक प्रकार की बांसुरी और बांस का वाद्ययंत्र टोका –बांस का टुनटुना, तथा जुटूली –मिट्टी की सीटी। अक्सर बांस की बांसुरियों का प्रयोग भी किया जाता है। गीतों के विषय असमिया नव वर्ष के स्वागत से लेकर एक किसान के दैनिक जीवन के वर्णन, असम पर आक्रमण के ऐतिहासिक संदर्भ से ले कर व्यंग्यपूर्ण सामयिक सामाजिक व राजनीतिक टिप्पणी तक विस्तृत हैं।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Inscript
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes